



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 30]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1995/अश्विना 1, 1917

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1995/ASVINA 1, 1917

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र, प्रशासनों की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1995

आ.अ. 57:— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, गोआ सरकार के परामर्श से श्री बी.एच. पचुआओ, सचिव, समाज कल्याण विभाग, गोआ, पणजी का उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और अगले आदेशों तक गोआ राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामित करना है। उन्हें निर्वाचन आयोग के अधीन निर्वाचनों में सम्बन्धित राज्य सचिवालय में, निर्वाचन से सम्बन्धित विभाग में सरकार के सचिव के रूप में भी पदोभिहित किया जाएगा।

2. आयोग के ध्यान में है कि श्री बी.एच. पचुआओ के पास सचिव, समाज कल्याण विभाग, गोआ का अतिरिक्त कार्यभार है, आयोग गोआ राज्य में पूर्णकालिक मुख्य निर्वाचन

अधिकारी हेतु जोर नहीं दे रहा है। तथापि, जैसे ही साधारण निर्वाचन आसन्न हो जाते हैं, श्री बी.एच. पचुआओ के सभी व प्रत्येक अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया जाए और आयोग को अनुपालन रिपोर्ट भेज दी जाए।

3. मुख्य निर्वाचन अधिकारी, गोआ के रूप में कार्य करने हुए श्री बी.एच. पचुआओ आयोग की पूर्व अनुमति के बिना, गोआ सरकार के अधीन ऊपर पैरा 2 में उल्लिखित कार्यभारों के अथवा किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण नहीं करेंगे।

4. यदि श्री बी.एच. पचुआओ के साधारण निर्वाचन आसन्न होने ही उनके सभी अतिरिक्त कार्यभारों से मुक्त नहीं किया जाता या आयोग की पूर्वानुमति के बिना ऊपर पैरा 2 में उल्लिखित कार्यभार के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जाता है, या उन्हें ऐसा आदेश दिया जाता है तो बी.एच. पचुआओ ऐसा कोई अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से, मुख्य निर्वाचन

अधिकारी, गोवा के पत्र में इस रिपोर्ट मांगे और कोई अन्य आदेश जारी नहीं किया जाएगा या जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके कर्तव्यों और कार्यों के निर्वहन में उनके द्वारा की गई सभी या कोई कार्रवाई अप्राधिकृत क्षेत्राधिकार के बिना, नास्तिक और शून्य होंगी और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

[सं. 154/गोवा/95]

आदेश से,
सी.आर. ब्रह्मम्, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 31st August, 1995

O. N. 57.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Goa, hereby nominates Shri V.H. Pachua, Secretary, Social Welfare Department, Goa, Panaji as the Chief Electoral Officer for the State of Goa with effect from the date he takes over charge and until further orders. He will also be designated as Secretary to Government in the department dealing with elections in the State Secretariat dealing with elections under Election Commission.

2. The Commission has noted that Shri V.H. Pachua has additional charge as Secretary, Social Welfare Department, Goa, Panaji. The commission is not insisting on a full-time Chief Electoral Officer in the State of Goa as the State has not more than two Parliamentary Constituencies. However, as soon as a General Election becomes imminent Shri V.H. Pachua shall be divested of all and every additional charges and a compliance report sent to the Commission.

3. Shri V.H. Pachua, while functioning as Chief Electoral Officer, Goa, shall not hold without the prior written approval of the Commission, any additional charge whatsoever under the Government of Goa over and above the charges mentioned in paragraph 2 above.

4. If Shri V.H. Pachua is not divested of all his additional charges as soon as a General Election becomes imminent or is entrusted with or ordered to hold any additional charge of any kind whatsoever over and above the charge mentioned in paragraph 2 above, without the prior written approval of the Commission, Shri V.H. Pachua will stand removed from the office of the Chief Electoral Officer, Goa from the date of assumption of any such additional charge in terms of this very order and no other order will, or need to be issued. All and any action taken by him thereafter in the discharge of his duties and functions as the Chief

Electoral Officer shall be unauthorised, without jurisdiction, non-est and null and void and he shall re-order himself liable to disciplinary action.

[No. 154/GOA/95]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1995

आ.प्र. 58.— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से श्रीमती राजिन्दर कुमारी भट्टरिया के स्थान पर डा.एम. बट्टरिया, आई.ए.एस., सदस्य (वित्त और लेखा) हि.प्र. विद्युत बोर्ड, शिमला, हिमाचल प्रदेश को पदभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एन.द्वारा नामित करना है।

2. डा. एस. बट्टरिया की हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन सभी कार्य के पदभार या कार्य के किन्हीं पदधारियों को, जिन्हें वे ऐसा पदभार ग्रहण करने के पूर्व धारण कर रहे थे, धारण करना समाप्त हो देंगे और तत्काल सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश के रूप में कार्य करते हुए डा. एस. बट्टरिया की हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन किसी भी प्रकार का कोई अनिश्चित कार्य-भार ग्रहण करने का आदेश नहीं दिया जाएगा, सिवाय इसके कि उनको राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी, सरकार का तत्त्व पदाभिहीत किया जायेगा जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है।

4. यदि डा. एस. बट्टरिया को आयोग के पूर्व लिखित अनुमोदन के बिना किसी भी प्रकार का कोई अनिश्चित कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाता है तो वे इस आदेश के अनुसार ऐसा अनिश्चित कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश के पदभार से स्वतः हटा दिए गए समझे जाएंगे और किन्हीं अलग आदेशों को जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् अन्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके कर्तव्यों और कार्यों के तथाकथित निर्वहन में उनके द्वारा की गई सभी या कोई कार्रवाई अप्राधिकृत और नास्तिक और शून्य होंगी और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

[सं. 154/हि.प्र./95]

आदेश से,

सी.आर. ब्रह्मम्, सचिव

New Delhi, the 1st September, 1995

O. N. 58.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Himachal Pradesh, hereby nominates Dr. S. Behuria, IAS, Member (Finance and Accounts) Himachal Pradesh State Electricity Board, Shimla, Himachal Pradesh as Chief Electoral Officer for the State of Himachal Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further order vice Smt. Rajinder Kumari Bhattacharya.

2. Dr. S. Behuria shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Himachal Pradesh which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Dr. S. Behuria while functioning as the Chief Electoral Officer, Himachal Pradesh shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever

under the Government of Himachal Pradesh except that he should be designated Secretary to the Government incharge of the Department dealing with elections under the Election Commission in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Dr. S. Behuria is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Himachal Pradesh from the date of the assumption of such additional charge as per this order and no separate order will, or need to issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No.154/HP/95]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1995

आ. अ. 59.—निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट राजस्थान विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र में हुआ है स्तम्भ (4) में उनके साधने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा नवीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा दर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है ;

और उक्त अभ्यर्थियों ने निर्वाचन आयोग द्वारा सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए न तो कोई कारण और न ही स्पष्टीकरण दिया है अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायचित्य नहीं है ;

अतः, अब निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और हटाने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए एतद्वारा निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम सं. निर्वाचन का विवरण विधान सभा निर्वाचन निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और निर्दोषता का कारण क्षेत्र की क्र. सं. और पता नाम

1	2	3	4	5
360.	विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन 1993	87-महबा	श्रीराम, पुत्र-रघुनाथ सिंह, ग्राम-महमपुर, तह.-टोडाभीम (राज.)	लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे।

1	2	3	4	5
361.	विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1993	78—धौलपुर	सुरेन्द्र, अवर. ए. सी. जार्जस के सामने, धौलपुर (राज.)	लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे।
362.	—वही—	82—खण्डार (अ. ज.)	दीन दयाल, रेगवान मोहल्ला, सवाईमाधोपुर (राज.)	निर्वाचन व्यर्थों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
363.	—वही—	83—सवाईमाधोपुर	अब्दुल जब्बार, पुत्र बशीर मोहम्मद वार्ड नं. 27 शहर, सवाईमाधोपुर, (राज.)	—वही—
364.	—वही—	—वही—	पृथ्वी सिंह, पुत्र राम सिंह, राजवाग, शहर सवाईमाधोपुर, (राज.)	—वही—
365.	—वही—	—वही—	मोहन लाल मोनि, पुत्र श्रीदाम, मुरवाग तह. सवाईमाधोपुर, (राज.)	—वही—
366.	—वही—	—वही—	राजेन्द्र, पुत्र तुलसीनारायण राजेन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी, अजरिया सवाईमाधोपुर, (राज.)	—वही—
367.	—वही—	83—सवाईमाधोपुर	रामेसुर, पुत्र बशीधर, अमावरा तह. बामनवास, (राज.)	—वही—
368.	—वही—	86—टिण्डोन	छोट्ट, ग्राम पोस्ट पट्टीकला, बामनवास, (राज.)	—वही—
369.	—वही—	108—जाड़पुरा	अब्दुल जलील, वा. नं. 27 चुर्गी नाके के पीछे अतन्द्रपुरा, कोटा, (राज.)	—वही—
370.	—वही—	—वही—	अब्दुल रजाक, मुल्लिम लाइन जूनिया हाउस, कोटा, (राज.)	—वही—
371.	—वही—	—वही—	नन्द किशोर सिंह, महात्मा गांधी कालोनी म. नं. 354 कोटा, (राज.)	—वही—
372.	—वही—	—वही—	मल्लनारायण शमा, 7 सी 17 महावीर नगर, तृतीय, कोटा, (राज.)	—वही—
373.	—वही—	1—भादरा	नथूराम शर्मा, गांव—बिरान, तहसील—भादरा, (राज.)	—वही—

1	2	3	4	5
374.	विधान सभा के लिए मायारण निर्वाचन, 1993	1-भादरा	मंगलराम आचार्य, पो. भादरा, (राज.)	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा।

[म. 76/राज. वि. म./94]
प्रादेश म,
क. पो. जी. कुटटी, सचिव

ORDER

New Delhi, the 7th September, 1995

O.N. 59.—Whereas the Election Commission of India is satisfied that each of the contesting candidates specified in column 4 of the Table below at the General Election to the Legislative Assembly of Rajasthan State specified in column 2 and held from the constituency specified in column 3 against his/her name has failed to lodge any account of his/her election expenses as shown in column 5 of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidates have either not furnished any reasons or explanation for the said failure even after due notice by the Election Commission or the Commission after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column 4 of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state or union Territory for a period of 3 years from the date of this order :—

TABLE

Sl. No.	Particulars of Election	S. No. & Name of Assembly Constituency	Name & Address of the contesting candidates	Reasons for disqualification
1	2	3	4	5
360.	General Election to the Legislative Assembly, 1993	87—Mahuwa	Shri Ram, S/o Reghunath Singh Vill-Mahmadpur Teh-Todabhim Rajasthan	Account not lodged in the manner
361.	-do-	78—Dholpur	Surendra In Front of, RAC. Lines, Dholpur, Rajasthan	-do-
362.	-do-	82—Khandar (S.C.)	Deen Daya, Regran Mohalla, Sawai-Madhopur, Rajasthan	Account not lodged.
363.	-do-	83—Sawai-Madhopur	Abdual Jabbar, S/o Bashir Mohd. Ward No. 27, Sawai-Madhopur, Rajasthan	-do-
364.	-do-	-do-	Prithvi Singh, S/o Ram Singh, Rajbagh, Sawai-Madhopur Rajasthan	-do-

1	2	3	4	5
365.	General Election to the Legislative Assembly, 1993	83—Sawai-Madhampur	Mohan Lal Meena, S/o Shri Das Meena, Village & Post Soorwal, Sawai-Madhampur, Rajasthan	Account not lodged.
366.	-do-	-do-	Rajendra, S/o Tulsi Naryan, Rajendra Trading Company Bazaria, Sawai-Madhampur, Rajasthan	-do-
367.	-do-	-do-	Bamesur, S/o Bansidher, Vill. & Post Amawara, Teh. Bamanwas Sawai-Madhampur, Rajasthan.	-do-
368.	-do-	86—Hindaun	Chhotu, Vill. & Post Pattikala Bamanwas, Rajasthan	-do-
369.	-do-	108—Ladpura	Abdul Jalil, Ward No. 27, Behind Chungi Naka, Anand Pura, Kota, Rajasthan	-do-
370.	-do-	-do-	Abdul Rajak, Police Line, Junia House, Kota Rajasthan	-do-
371.	-do-	-do-	Nand Kishore Singh H. No. 354 Mahatma Gandhi Colony, Kota, Rajasthan	-do-
372.	-do-	-do-	Satya Narayan Sharma, 7-C-17, Mahaver Nagar-III, Kota, Rajasthan.	-do-
373.	-do-	1—Bhadra	Nathu Ram Sharma Vill. Biran, Tehsil-Bhadra Rajasthan	-do-
374.	-do-	-do-	Mangla Ram Acharya, P.O. Bhadra Rajasthan	-do-

[No. 76/RJ-LA/94]
By Order,
K.P.G. KUTTY. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1995

आ. अ. 60.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में क्या विनिर्दिष्ट विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, जो कि प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्ती बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में क्या उचित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहा है :

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यर्थेदनों पर यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है :

अतः अथ निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम सं.	निर्वाचन का विवरण	विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की क्र. सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरुद्धता का कारण
1	2	3	4	5
1.	विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन 1994	30—रंका विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र	श्री तक्षेरिंग नामग्याल विकास क्षेत्र, मिश्मिम	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
2.	—वही—	31—गंगटोक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र	श्री नोरजेन ग्याल्पो काजी. अरिश्वांग गंगटोक, मिश्मिम	—वही—

[सं. 76/मिश्मिम/वि. स./95 (3)]

आदेश से,
के. पी. जी. कुटेटी, सचिव

ORDER

New Delhi, 7th September, 1995

O.N. 60.—Whereas the Election Commission is satisfied that each contesting candidate specified in column (4) of the Table below at the General Election to the Legislative Assembly, 1994, as specified in column (2) and held from the Constituency specified in column (3) against his name has not lodged the account at all as shown in column (5) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate has not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice and the Election Commission is thus satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of Election	Sl. No. & Name of constituency	Name & Address of candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the Legislative Assembly, 1994.	30-Ranka Assembly Constituency	Sh. Tshering Namgyal Development Area, Sikkim.	Failed to lodge the accounts of election expenses.
2.	-do-	31-Gangtok Assembly Constituency	Sh. Norden Gyalpo Kazi Arithang Gangtok, Sikkim.	-do-

[No. 76/SKM/LA/95 (3)]

By Order,
K.P.G. KUTTY, Secy.